16/4/26	पत्रा० पेश हुआ। प्रार्थी वकील उप०। प्रार्थी वकील की एकतरफा बहस सुनी गई। रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया एवं बहस पर मनन किया गया। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विवादित आराजी खसरा नं. 127, 116, 141, 142, 1736, 194 वाके ग्राम गांगरोली को सम्मिलित करते हुए जारीशुदा स्थगन आदेश (पूर्व के ख. नं. सहित) को दावा के निस्तारण तक अप्रार्थीगण को पाबंद करते हुए कन्फर्म किया जाता है। पत्रा० फैसल शुमार होकर नम्बरान से कम किया जाकर दाखिल दफ्तर हो। एवं मूल वाद-पत्र के साथ संलग्न की जावे।